RAN-2501001204020003

RAN-2501001204020003/ 2501000104033032

S.Y.B.A. (Sem. - IV) Examination October - 2025

Major (Paper - IX) Hindi Natak ('Karfyu' Laxminarayanlal)

Time: 2 Hours] **[Total Marks: 50**

સૂચના : / Instructions
(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the above details on your answer book

Seat No.:

Student's Signature

प्र.1. निम्नलिखित सभी वैकल्पिक प्रश्नों के सही उत्तर दीजिए। (10)

1) लक्ष्मीनारायण लाल का जन्म किस जिला में हुआ था?
(A) वाराणसी (B) प्रयागराज
(C) बस्ती (D) झासी

2) लक्ष्मीनारायण लाल के पिताजी का नाम क्या था?
(A) श्री रामसेवक लाल (B) श्री शिवसेवक लाल
(C) श्री कृष्णमोहन लाल (D) श्री दिनसेवक लाल

3) इनमें से कौनसा नाटक लक्ष्मीनारायण लाल का है?
(A) गंगा माटी (B) आषाढ़ का एक दिन
(C) चन्द्रगुप्त (D) इनमें से कोई नहीं

4) 'कर्फ्यू' नाटक का कथानक कितने दृश्यो में विभाजित है?
(A) आठ (B) तीन
(C) पाँच (D) नौ

5) गौतम की रूचि किसमे थी?
(A) घुमने (B) संगीत
(C) पढ़ने (D) तैरने

6) इसमें से कौन 'कर्फ्यू' नाटक का पात्र है?
(A) अम्बिका (B) रामगुप्त
(C) मनीषा (D) ध्रुवस्वामिनी

7) 'कर्फ्यू' के दौरान मनीषा किसके घर में जाती है?
(A) गौतम (B) संजय
(C) सुनील (D) ये सभी

8) 'कर्फ्यू' नाटक में किस संस्कृति की अभिव्यक्ति हुई है?
(A) भारतीय (B) पाश्चात्य
(C) पारसी (D) ये सभी

9) 'गौतम' का व्यवसाय क्या है?
(A) डॉक्टर (B) अध्यापक
(C) मिल संचालक (D) वकील

10) कविता और संजय की कहानी नाटक के किस दृश्य में आती है?

(A) दूसरे (B) पहले

(C) पाँचवे (D) तीसरे

प्र.2. 'कर्फ्यू' नाटक के कथावस्तु पर प्रकाश डालिए। **(14)**

अथवा

'संजय' की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

प्र.3. 'कर्फ्यू' नाटक में चित्रित समस्याओं पर प्रकाश डालिए। **(14)**

अथवा

'मनीषा' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्र.4. (अ) टिप्पणी लिखिए। **(6)**

'कर्फ्यू' नाटक में देशकाल और वातावरण।

अथवा

'कर्फ्यू' नाटक की रंगमंचीयता।

प्र.4. (ब) ससंदर्भ व्याख्या किजिए। **(6)**

''एक अजीब जमघट होता है इन पार्टियों में। लेखक, निर्देशक, अभिनेता, आलोचक सभी होते हैं। बहाना नाटक व रंगमंच की समस्याओं पर विचारों का आदान-प्रदान। मकसद शराब पीना, 'रिकगनीशन' पाने की होड़ में दूसरों की उखाड़-पछाड़ करना, और अपना एक विशेष स्थान बना लेने की कोशिश करना।''

अथवा

''मैं स्वतंत्र हूँ, यही है मेरा भय, कि मेरी स्वतंत्रता कोई छीन न ले। आज मैंने पहली बार देखा... हाँ देखा, पहली बार देखा-मेरी स्वतंत्रता केवल फैशन है। इसमें कोई दम नहीं। इसे मैंने अर्जित नहीं किया। यह मेरे रक्त और संस्कार में नहीं, वरना मैं इतनी वाचाल नहीं होती। मैं अपनी बाहरी स्वतंत्रता को अपनी मुक्ति मानती थी। इसीलिए मैं स्वतंत्र बनती थी, खेल करती थी, स्वतंत्र होती नहीं थी। बनने और होने का अन्तर आज मालूम हुआ। इतनी बड़ी कीमत देकर...''